भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4491 का उत्तर

मोहनलालगंज क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज

4491. श्री आर. के. चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मोहनलालगंज-गोसाईगंज रोड (लखनऊ-रायबरेली रेल पथ पर रेलवे क्रॉसिंग) पर मोहनलालगंज क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज से संबंधित कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है, जबकि इसे स्वीकृत किया जा चुका है और इसके लिए सर्वेक्षण भी किया जा चुका है और यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) इसके कब तक शुरू होने की संभावना है; और

(ग) उत्तर प्रदेश के मोहनलालगंज लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अनुमोदित रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल में समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को मंजूरी देना निरंतर एवं सतत् प्रक्रिया है। रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता पर इसके प्रभाव तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल में वर्ष 2004-14 की तुलना में वर्ष 2014-24 (जून, 25) के दौरान निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-25 (जून, 25)	13,426 अदद (उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित 1649 अदद सहित)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 1,00,860 करोड़ रूपए की लागत से 4,402 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल स्वीकृत हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य में 14,022 करोड़ रुपए की लागत से 736 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल शामिल हैं।

वर्तमान में, मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र में ₹184 करोड़ की लागत से 9 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्य स्वीकृत हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

मोहनलालगंज-सुल्तानपुर खंड पर मोहनलालगंज-कनकहा स्टेशन के बीच एक समपार संख्या 196 सी है। इस स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुल के निर्माण हेतु तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू करने की योजना है।

इसके अलावा, तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्टेशन पुनर्विकास:

भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। बहरहाल, स्टेशनों केविकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों के सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन शामिल है। मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और वाटर-बूथ में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े फुटओवर ब्रिज/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टी-मोडॉल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए **एक्जीक्यूटिव** लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था प्रावधान, चरणबद्ध तरीके से निर्माण और व्यवहार्यता, तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए अब तक 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र के मोहनलालगंज और उतरेतिया जंक्शन स्टेशनों सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। इस योजना के तहत अब तक उत्तर प्रदेश राज्य में 20 स्टेशनों (अयोध्या धाम, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनैर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी) के चरण-1 का कार्य पूरा हो चुका है।

मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र के मोहनलालगंज और उतरेतिया जंक्शन स्टेशनों पर कार्यों की स्थिति नीचे दी गई है:

- मोहनलालगंज स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, स्टेशन भवन का सुधार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, शौचालय और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।
- उतरेतिया जंक्शन स्टेशन: मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन, द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, शौचालय और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री

संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्यों सहित रेलवे परियोजना/ओं का पूरा होना और कमीशनिंग करना निम्नलिखित कारकों पर निर्भर करता है:-

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण,**
- **वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन मंजूरी,**
- **अतिलंघनकारी उपयोगिताओं का स्थानांतरण,**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां,**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियाँ,**
- **परियोजना स्थल पर कानून-व्यवस्था की स्थिति,**
- **किसी विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि।**

****